जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, डीडीहाट पिथौरागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चौथी वर्षगांठ के छठवें दिवस के कार्यक्रम ईको क्लब मिशन फॉर लाइफ की आख्या

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ डीडीहाट में दिनांक 27/07 /2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष में छठवें दिवस की विषय–वस्तु **ईको क्लब मिशन फॉर लाइफ** रही। कार्यक्रम में डायट प्राचार्य श्री भाष्करानन्द पाण्डेय, डा0 गोविन्द सिंह धपोला, डा0 ममता खोलिया, श्री चन्द्रशेखर मखौलिया, श्री जितेन्द्र बहादुर मिश्र, श्री गोकर्ण राम लोहिया तथा डी0एल0एड0 तृतीय सेमेस्टर के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन नियोजन एवं प्रबंधन विभाग की प्रभारी डा0 ममता खोलिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डा0 ममता खोलिया द्वारा ईको क्लब का अर्थ, कार्य व सामूहिकता के बारे में बताया गया तथा प्रत्येक समूह के सदस्यों को अपनी प्रस्तुति देने के लिए मंच पर आमंत्रित किया गया।

- **रमन सदन द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम–**

  प्रशिक्षु भावना द्वारा इको क्लब, इसके उद्देश्य, एन0ई0पी0 2020 के अनुसार उद्देश्य , इको क्लब का गठन , विद्यालय में कार्य, प्राथमिक विद्यालय में सदनों के रूप में जैसे–जल, पृथ्वी, आकाश, वायु व अग्नि एवं पोस्टर के माध्यम से जल प्रदूषण के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। चेतना व निशा पालीवाल ने जल संरक्षण पर पोस्टर को प्रदर्शित किया।

- **<u>चाणक्य सदन द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम–</u>**

त्रिभुवन परिहार , युक्ता मुखी ,उर्मिला द्वारा पी.पी.टी के माध्यम से वायु के बारे में बताया गया जिसमें ओजोन परत, प्रदूषित वायु , स्मॉग टावर व पोस्टर द्वारा वायु प्रदूषण का प्रदर्शन किया गया एवं ताजमहल के संगमरमर के रंग बदलने के कारणों पर चर्चा की । वायु ,जल, ध्वनि, भूमि प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया।

- **<u>कुर्मांचल सदन द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम–</u>**

प्रशिक्षु रेखा गैड़ा द्वारा पी.पी.टी के माध्यम से भूमि के बारे में बताया गया जिसमें मृदा–अपरदन के कारण व बचाव के उपाय बताये गये तथा प्रताप सिंह ,जितेन्द्र नाथ ,वैभव भट्ट , कमल कार्की द्वारा विद्यालय में भूकंप आने पर बचाव हेतु बच्चों के बीच किये जाने वाले उपायों पर नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसके अंर्तगत भूकंप आने पर कमरे से बाहर निकल जाने ,यदि तुरंत बाहर निकलने की व्यवस्था न बने तो किसी स्लैब के नीचे जाने , चारपाई के नीचे घुसने , दरवाजे की बीम कॉलम के नीचे खड़े होने का रोल प्ले किया गया।

- **<u>विवेकानन्द सदन द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम–</u>**

प्रशिक्षु बसंत सिंह लुण्ठी पी.पी.टी के माध्यम से द्वारा वायुमंडल की विभिन्न परतों के नाम, परतों के बीच

की दूरी, परतों में होने वाली गतिविधियाँ के बारे में विस्तार से बताया गया। तनूजा जोशी तथा कल्पना द्वारा ओजोन परत, ग्रीन हाउस प्रभाव को विस्तारपूर्वक समझाया गया।

- **<u>कलाम सदन एवं वेदान्त सदन द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम</u>–**

  कलाम सदन एवं विवेकानंद सदन के सदस्यों रोहित धामी , नूतन खोलिया , कमल कार्की , भिषेक डांगी , वैभव भट्ट ,हर्षल ,जितेन्द्र कुमार द्वारा सड़क सुरक्षा पर नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें ध्यान देकर चलने, फोन चलाकर व ईयर बड लगाकर सड़क पर न चलने ,बिना शराब पिये वाहन चलाने, दांये–बांये देखने के नियम एवं 18 से कम आयु के बच्चों को गाड़ी चलाने के लिए न देने व ट्रैफिक लाइट के नियमों का पालन करने,गाड़ी में बैठने पर हाथ और सिर खिड़की से बाहर न निकालने इत्यादि के बारे में बच्चों को जागरूक किया गया।

डॉ ममता खोलिया द्वारा हिमालय पर्वत की संरचना , उत्तराखण्ड में भूस्खलन एवं भूकम्प के कारणों,पिथौरागढ़ जिले के धारचुला ब्लॉक के मालपा गॉव म 1998 भू–स्खलन की दुर्घटना जिसमें कैलाश मानसरोवर यात्रा के 60 श्रद्धालुओं सहित 200 लोगों की मृत्यु हो गयी थी, कनालीछीना ब्लाूक के बस्तड़ी गॉव में 2016 को भू–स्खलन की दुर्घटना ,2012 की केदारनाथ में अतिवृष्टि से हुई दुर्घटना एवं जनहानि के बारे में बताया गया। जोशीमठ शहर में में बढ़ते टूरिज्म की वजह से जमीन खिसकने के कारण वहॉ बने हुए मकानों में दरारें पड़ने से शहर वीरान होने एवं शहर के अनियोजिन विकास के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए पर्यावरण की स्वच्छता, घरों की स्वच्छता, विद्यालयों में साफ–सफाई हेतु किये जाने वाले कार्यों, वृक्षारोपण, कूड़ा प्रबंधन , इको फ्रेन्डली गतिविधियों जैसे गणेश चतुर्थी के पर्व पर मिट्टी के गणेश जी, फिटकरी के इको फ्रेन्डली गणेश जी स्थापित करने, घरों में लीकेज वाले नलों को ठीक करने, सौर ऊर्जा का प्रयोग करने, पॉली बैग की जगह कपड़े के थैले का प्रयोग करने,घरों में कम्पोस्ट खाद बनाने के आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

डॉ ममता खोलिया द्वारा प्राचार्य श्री भाष्करानन्द पाण्डे जी को आशीर्वचन देने हेतु मंच पर आमंत्रित किया गया। प्राचार्य महोदय द्वारा बताया गया कि एक आदर्शवादी नागरिक कैसे व्यवहार करता है और प्रकृति के भलाई के लिए वह क्या व कैसे कार्य करता है। और वह स्वयं को प्रकृति से कैसे जोड़े रखता है और व्यक्ति के जीवन में शिक्षा के महत्व को समझाया।

शिक्षा कैसे व्यक्ति को एक सभ्य नागरिक बनाती है। उनके द्वारा धार्मिक पर्व जैसे वर्तमान में चल रही कांवड़ यात्रा के महत्व को बताते हुए उसे प्रकृति से जोड़ा गया और इको क्लब हेतु किये गये कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

दिनांक–27 / 07 / 2024

स्थान– डायट डीडीहाट।